Title: World Nature Conservation Day

Date: 28th July 2020

Category: Community Service

Details:

Rotaracters planted a sapling in their respective garden, terrace or wherever they can take care of the seedling to protect, conserve and sustainably manage our natural resources. The event was carried under the guidance of our Moderator Prof. Pushpa Tewari. The motive of the session was to promote biodiversity for a healthy and functional ecosystem and to protect our natural assets.

News Coverage

गुरुनानक कॉलेज में मनी विश्व प्राकृति संरक्षण दिवस

एजुकेशन रिपोर्टर | धनबाद

गुरुनानक कॉलेज के रोटारेक्ट क्लब की ओर से मंगलवार को विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सत्र का मकसद एक स्वस्थ और कार्यात्मक पारिस्थितिकी तंत्र के लिए जैव विविधता को बढ़ावा देना और हमारी प्राकृतिक संपत्ति की रक्षा करना था। कार्यक्रम में शामिल अतिथिओं ने प्रकृति संरक्षण पर अपने-अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि अपने प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा, संरक्षण और निरंतर प्रबंधन के लिए अपने बगीचे, छत या जहां कहीं भी पौधे की देखभाल कर सकते हैं, वहां एक पौधे लगाएं। उन्होंने यह संदेश देने की कोशिश की कि हमें प्रकृति के संरक्षण की अपनी जिम्मेदारी को नहीं भूलना चाहिए। यह कार्यक्रम मॉडरेटर प्रो पुष्पा तिवारी के मार्गदर्शन में किया गया। मौके पर अमन सिन्हा, श्रुति श्रीवास्तव, अभिजीत सिंह, शामिया जावेद, सौरव प्रसाद, लक्ष्मी, मृत्युंजय, सिमरन, अमीषा, ज्योति, निधि, वंशिका भाटिया, सुहानी, विशाल, अंजुम, राजशेखर आदि मौजूद थे।

सैनिटाइजर व मास्क आदि के लिए वन टाइम रिम्ब्रसमेंट की व्यवस्था हो.

रोटरैक्ट क्लब का जागरूकता कार्यक्रम

धनबाद. गुरु नानक कॉलेज के रोटारैक्ट क्लब ने विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर मंगलवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया. क्लब के अध्यक्ष अमन सिंह ने कहा कि सत्र का मकसद एक स्वस्थ और कार्यात्मक पारिस्थितिकी तंत्र के लिए जैव विविधता को बढ़ावा देना और प्राकृतिक संपत्ति की रक्षा करना है. रोटारैक्टर्स अपनी प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा, संरक्षण और निरंतर प्रबंधन के लिए अपने बगीचे, छत या जहां कहीं भी पौधे की देखभाल कर सकते है, वहां एक पौधा लगाये. प्रकृति के संरक्षण की अपनी जिम्मेदारी को नहीं भूलना चाहिए. कार्यक्रम मॉडरेटर प्रो पुष्पा तिवारी के मार्गदर्शन में किया गया. सचिव श्रुति श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष अभिजीत सिंह, निदेशक शामिया जावेद व सौरव प्रसाद, लक्ष्मी, मृत्युंजय, सिमरन, अमीषा, ज्योति, निधि, वंशिका भाटिया, सुहानी, विशाल, अंजुम, राजशेखर आदि शामिल हुए.